प्रेस विज्ञप्ति, 22 जून, 2019

माननीय राज्य मंत्री, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, श्री कैलाश चौधरी जी द्वारा पूसा संस्थान परिसर का भ्रमण

माननीय राज्य मंत्री, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, श्री कैलाश चौधरी जी ने आज दिनांक 22 जून, 2019 को सचिव डेयर और महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, डॉ. त्रिलोचन महापात्र के साथ भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान का भ्रमण किया।

सर्वप्रथम उन्होंने संरक्षित खेती प्रौद्योगिकी केंद्र का दौरा किया। उन्होंने वहाँ सेंसर आधारित स्वचालित सिंचाई प्रणाली, कम लागत वाली पॉलीहाउस, नर्सरी की तकनीक और ड्रिप सिंचाई का अवलोकन किया। उन्होंने किसानों के लाभ के लिए गुणवत्ता वाले रोपण सामग्रियों के उत्पादन के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के प्रयासों की सराहना की।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित बारानी परिस्थिति के लिए एकीकृत कृषि प्रणाली (संरक्षित खेती, फूल और मशरूम का संयोजन) और तालाब-आधारित एकीकृत कृषि प्रणाली (मत्स्य पालन + डेयरी + बागवानी + फसलें + मुर्गी + बतख पालन का समायोजन) ने उनका ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे मॉडल किसानों की आय बढ़ाने के लिए उपयोगी होंगे। उन्होंने नानाजी देशमुख प्लांट फेनोमिक्स केंद्र का भी भ्रमण किया। यह केंद्र जलवायु समुत्थानशीलता के लिए उपयोगी जननद्रव्य वंशक्रमों और जीनों की पहचान करने के लिए स्थापित किया गया है।

भ्रमण के बाद उन्होंने संस्थान के निदेशक, संयुक्त निदेशकों, विभागाध्यक्षों और वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ बैठक भी की। उन्होंने आईसीएआर के साथ-साथ कृषि और सहकारिता विभाग से अनुमोदित उन प्रौद्योगिकियों की पहचान करने के लिए सुझाव दिया जिससे किसानों की आय बढ़ाई जा सके। माननीय राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी जी ने गुणवत्तापूर्ण बीज, कोल्ड स्टोरेज सुविधा, प्रसंस्करण और विपणन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। विचार-विमर्श के दौरान, वैज्ञानिकों द्वारा किसानों की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न सुझाव दिए गए, जिसमें उन्नत किस्मों के गुणवत्ता वाले बीजों की उपलब्धता, पोषण आधारित कृषि, लागत में कमी के लिए प्रौद्योगिकियों का उपयोग, कृषि अपशिष्ट प्रबंधन के लिए पूसा डीकम्पोजर का उपयोग, उत्पादन एवं खपत के जुड़ाव, प्रत्यक्ष विपणन के माध्यम से बिचौलियों को समाप्त करना, किसान उत्पादक कंपनियों को बढ़ावा देना, मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देना तथा कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना, आदि शामिल थे।

सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने एक सप्ताह के भीतर उपरोक्त सुझावों को कॉन्सेप्ट नोट के रूप में प्रस्तुत करने के लिए कहा ताकि आगे की रणनीति बनाई जा सके। उन्होंने किसानों की लाभप्रदता बढ़ाने के लिए पूरे देश के लिए फसल योजना के विकास की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने संस्थान की प्रौद्योगिकियों के प्रभावी और तेजी से प्रसार के लिए रणनीति विकसित करने पर भी जोर दिया।

डॉ. ए.के. सिंह, निदेशक, भारतीय कृषि अनु. संस्थान ने अवगत कराया कि पूसा संस्थान की प्रौद्योगिकियां राष्ट्रीय स्तर पर उपयोगी हैं। संस्थान की उन्नत किस्में किसानों की उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। पूसा संस्थान एवं राज्य कृषि विश्वविद्यालय के साथ भागीदारी, पूसा संस्थान एवं स्वैच्छिक संगठन के साथ भागीदारी, पूसा संस्थान एवं पोस्ट ऑफिस लिंकेज जैसी प्रसार की अभिनव रणनीतियाँ संस्थान की प्रौद्योगिकियों के प्रसार और किसानों की क्षमता निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

माननीय राज्य मंत्री, श्री कैलाश चौधरी जी ने कहा कि कृषि मंत्रालय के सभी इकाइयों को एकजुट होकर काम करना होगा ताकि किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को प्रभावी रूप से हासिल किया जा सके।

झलकियाँ

माननीय राज्य मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, श्री कैलाश चौधरी जी का संरक्षित खेती प्रौद्योगिकी केंद्र का भ्रमण

माननीय राज्य मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, श्री कैलाश चौधरी जी का समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल क्षेत्र का भ्रमण

माननीय राज्य मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, श्री कैलाश चौधरी जी का भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों के साथ चर्चा

माननीय राज्य मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, श्री कैलाश चौधरी जी का भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान भ्रमण

Press Release, 22nd June, 2019

Visit of Hon'ble Minister of State, Agriculture and Farmers' Welfare, Govt. of India, Sh. Kailash Choudhary to IARI, Pusa Campus

Hon'ble Minister of State, Agriculture and Farmers' Welfare, Govt. of India, Sh. Kailash Choudhary visited Indian Agricultural Research Institute, New Delhi today (June 22, 2019) along with the Secretary DARE and Director General, ICAR, Dr. Trilochan Mohapatra.

Firstly he visited the Centre for Protected Cultivation Technology. He observed the sensor driven automated irrigation system, low-cost polyhouse, nursery raising technology and drip irrigation. He appreciated IARI's strive to produce quality planting materials for the benefit of farmers.

IARI's models of Integrated Farming System for rainfed condition (combination of protected cultivation, flower and mushroom) and pond-based system (fishery + dairy + horticulture + field crops + poultry + duckery) attracted his attention. He said such models will be useful for enhancing farmers' income. He also visited the Nanajee Deshmukh Plant Phenomics Centre to identify germplasm lines and genes for climate resilience.

After the visit, he conducted meeting with the Director, Joint Directors, Heads of Divisions and Senior Scientists of the Institute. Deliberations were made to identify the technologies from ICAR system as well as from the Department of Agriculture and Cooperation, which could raise the income of farmers. Hon'ble Minister of State, Agriculture and Farmers' Welfare, Sh. Kailash Choudhary stressed upon ensuring quality seeds, cold storage facilities, processing and marketing. During the deliberations, the suggestions were made by the scientists for enhancing the income of farmers, which included availability of quality seeds of improved varieties, nutrition based agriculture, use of technologies for cost reduction, use of Pusa Decomposer for agricultural waste management, linking of production with consumption, eliminating middle-men through direct marketing, promotion of farmer producer companies, promotion of value addition and delineating the critical role of Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare.

Secretary DARE and Director General, ICAR, Dr. Trilochan Mohapatra suggested to bring about a synthesis of the suggestions in form of a Concept Note within a week so that further strategy could be made. He also highlighted the need for development of crop plan for the whole country in order to enhance profitability of the farmers. He also emphasized upon devising approaches for effective and faster dissemination of IARI technologies.

Dr. A.K. Singh, Director, IARI stressed that IARI's technologies have been useful at national level. Improved varieties of IARI have been playing a critical role in enhancing productivity and profitability of farmers. Innovative extension approaches of IARI such as IARI-SAUs Partnership, IARI-Voluntary Organizations Partnership, IARI-Post Office Linkage have been playing pivotal role in dissemination of IARI technologies and capacity building of farmers.

Hon'ble Minster of State, Sh. Kailash Choudhary said that all wings of the Ministry should work in unision to achieve the target of doubling farmers' income.

Visit of Hon'ble Minster of State, Sh. Kailash Choudhary to Centre for Protected Cultivation Technology, IARI

Visit of Hon'ble Minster of State, Sh. Kailash Choudhary to Integrated Farming System Models, IARI

Hon'ble Minster of State, Sh. Kailash Choudhary addressed the Scientists at IARI

Visit of Hon'ble Minster of State, Sh. Kailash Choudhary at IARI